UP Board Notes Class 6 Sanskrit Chapter 9 नील-शृगालः

शब्दार्थाः –

कस्मिंश्चिद = किसी,
अरण्ये = जंगल में,
भ्राम्यन् = घूमता हुआ,
भीतः = डरा हुआ,
रजेकस्य = कपड़ा धोने वाले कें,
नीलभाण्डे = नील के हौज (नाद) में,
नगरोपान्ते = शहर के समीप,
आत्मानम् = अपने शरीर को,
उत्तमवर्णः = अच्छे रंग का,
स्वकीयोत्कर्षम् = अपनी उन्नति (लाभ) को,
साथयामि = सिद्ध करूँ,
आलोच्य = विचार करके,
आहूय = बुलाकर,
अभिषिक्तवती = अभिषेक किया है,
आधिपत्यम् = अधीनता,
शनैः – शनैः = धीरे,
केनचिद् = किसी के द्वारा,
यतः = क्योंकि,
विप्रलष्टा = ठगे गए (वंचित),
सम्मिल्य = मिलकर,
एकदैव = एक साथ,
महारावम् = ऊँची आवाज,
शब्दम् = आवाज,
दुरतिक्रमः = दुर्निवार, जिसका निवारण कठिन हो।

कस्मिंश्चिद्.....स्वीकृतवन्तः ।
हिन्दी अनुवाद – किसी वन में एक सियार रहता था। वह एक बार अपनी इच्छा से शहर के समीप घूमते हुए, कुत्तों से डरकर किसी धोबी के नील के हौज (नाद) में गिर पड़ा। इसके बाद इसने वन में जाकर अपने नीले रंग को देखकर सोचा, मैं अब उत्तमवर्ण (वाला) हैं, तब मैं अपनी उन्नति के लिए क्यों न उपाय करूं? ऐसा विचारने के बाद सियारों को बुलाकर उसने कहा, “माँ भगवती और वनदेवता ने अपने हाथ से जंगल के राजा के रूप में मेरा अभिषेक किया है, इसलिए अब से जंगल में मेरी आज्ञा से व्यवहार होना चाहिए। सियार उसका विशिष्ट वर्ण देखकर उसे प्रणाम करके बोले, “देवी की जैसी आज्ञा। इसी क्रम से जंगल के सब वासियों ने उसका आधिपत्य स्वीकार किया।

https://www.evidyarthi.in/

शनैः शनैः.....यतः।।
हिन्दी अनुवाद – धीरे-धीरे व्याघ्र, सिंह आदि उत्तम प्राणियों को पाकर उसने अपनी जाति वालों (सियारों) । को दूर कर दिया। इसके बाद दुखी सियारों को देखकर किसी बूढ़े सियार ने यह प्रतिज्ञा की कि इसका एक ऐसा । उपाय करना होगा जिससे इसकी पोल खुल जाए क्योंकि व्याघ्र आदि सब इसके रंग से ठगे गए हैं और इसे सियार न जानकर राजा मानने लगे हैं। इसके बाद सायंकाल में सभी सियारों ने मिलकर वहाँ एक साथ ऊँची आवाज़ की। वह आवाज शब्द सुनकर उस नीले सियार ने भी अपनी जाति के स्वभाव के अनुसार उनके साथ ऊँची आवाज़ में बोलना शुरू कर दिया। ऐसा करने के कारण वह सिंह आदि द्वारा पहचान लिया गया और मारा गया।

यः.....नाश्नात्युपानहम्।।
हिन्दी अनुवाद – जिसका जो स्वभाव होता है, उसका निवारण कठिन है। यदि कुत्ते को राजा बना दिया जाए, तो क्या वह जूते नहीं चाटेगा? अर्थात् जरूर चाटेगा।

https://www.evidyarthi.in/